an>

Title: Regarding exploring possibilities of Hydroelectric Project in Himachal Pradesh.

श्री रामस्वरूप शर्मा (मंडी) : महोदय, हिमाचल प्रदेश देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जो समस्त भारत की जल विद्युत क्षमता का 25 परसेंट दोहन करने की क्षमता रखता है। प्रदेश की सभी नदियों की कुल विद्युत क्षमता 27436 मेगावाट आंकी गयी है, लेकिन अभी तक केवल 8415 मेगावाट जल विद्युत क्षमता का ही दोहन हो पाया है। प्रदेश में 655 लघु विद्युत परियोजनाएं चल रही हैं। जिनमें से अधिकांश परियोजनाएं मेरे संसदीय क्षेत्र में हैं। इन परियोजनाओं में अधिकांश परियोजनाएं केन्द्र सरकार की पर्यावरणीय स्वीकृतियों के लिए कई वÂ◌ा◌ा◌ें से लटकी पड़ी हैं। यही नहीं इसके अतिरिक्त कुछ संचालन संबंधी समस्याएं ऐसी हैं जो केन्द्र और राज्य सरकार में उचित तालमेल न होने के कारण कई वर्षों से सुलझ नहीं पाती।

मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि हिमाचल में जल विद्युत को प्रोत्साहन देने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय और ऊर्जा मंत्रालय को एक विशेÂ◌ा दल गठित किया जाए जो प्रदेश की जल विद्युत परियोजनाओं की समस्याओं को यथास्थल समाधान करें ताकि इन परियोजनाओं का संचालन बिना किसी व्यवधान के हो सके।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Ram Swaroop Sharma.